4 दया का फल

आओ सीखें और जानें

- कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़ना, सुनना और अर्थ-ग्रहण करना।
- कहानी के प्रमुख भाव को समझना
- पशु-पक्षियों के प्रति दया तथा प्रेम-भाव।
- पशु-पक्षियों तथा पर्यावरण की रक्षा करना।
- श्रुतलेख, 'ड', 'ड़' का प्रयोग, द्‌वित्व व्यंजन वचन और संज्ञा।

पाठ पढ़ने हेतु निर्देश

- कहानी को पूरे हाव-भाव के साथ पढ़ो और समझो।
- कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनका अर्थ जानो।
- कठिन शब्दों को पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास करो।

कहो-सुनो

- विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें कि क्या आपने कभी किसी पशु-पक्षी की सहायता की है?
- क्या आप प्रतिदिन बगीचे में जाते हैं? यदि हाँ, तो वहाँ आपने कौन-कौन-से पक्षियों को देखा है? आदि।

पाठ का परिचय

यह अरब देश के एक सिपाही की कहानी है, जो एक हिरणी पर दया कर उसके बच्चे को अपनी कैद से आज़ाद करता है। इस कहानी के द्वारा लेखक ने हमें जीवों के प्रति प्रेम तथा दया भाव दिखाने तथा उनकी सहायता करने के लिए प्रेरित किया है।

अरब देश में एक **बादशाह** राज्य करता था। राजा बनने से पहले वह एक सिपाही था। उसे शिकार का बहुत शौक था। जब भी समय मिलता, वह शिकार के लिए निकल जाता।

एक दिन शिकार की खोज में वह देर तक भटकता रहा किंतु उसके **हाथ कुछ न लगा**। **निराश** होकर वह लौट रहा था, तभी उसने देखा कि एक हिरणी अपने छोटे-से बच्चे के पास खड़ी उसे प्यार कर रही थी।

सिपाही घोड़े से उतर गया। हिरणी तो **आहट** सुनकर झाड़ियों में छिप गई, लेकिन हिरण का छोटा बच्चा इतनी **फुरती** नहीं दिखा सका। सिपाही उसके गले में रस्सी बाँधकर घोड़े पर चल पड़ा।

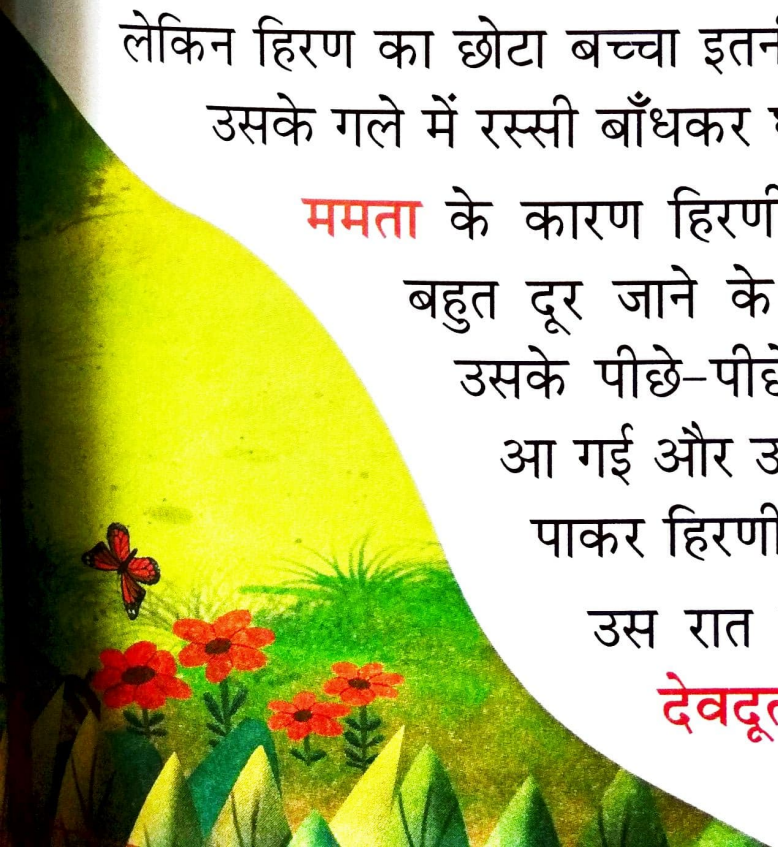

ममता के कारण हिरणी घोड़े के पीछे-पीछे चलने लगी। बहुत दूर जाने के बाद सिपाही ने देखा कि हिरणी उसके पीछे-पीछे आ रही थी। उसे हिरणी पर दया आ गई और उसने बच्चे को छोड़ दिया। बच्चे को पाकर हिरणी **प्रसन्न** हो गई।

उस रात सिपाही ने सपने में देखा कि एक **देवदूत** उससे कह रहा है,

"तूने आज एक **असहाय** पशु पर दया की है, इसलिए खुदा ने तेरा नाम बादशाह की सूची में लिख दिया है। तू एक दिन **अवश्य** बादशाह बनेगा।"

सिपाही का सपना सच हो गया। वह उन्नति करता हुआ सिपाही से बादशाह बन गया।

इन्हें भी जानें

बादशाह—राजा, **हाथ कुछ न लगा**—कुछ न मिल पाया, **निराश**—जिसे कोई आशा न हो, **आहट**—किसी के आने-जाने, हिलने-डुलने से होनी वाली हलकी आवाज़, **फुरती**—तेज़ी, **ममता**—संतान के प्रति माँ का प्यार, **प्रसन्न**—खुश, **देवदूत**—देवों का संदेश देने वाला, **असहाय**—जिसकी सहायता करने वाला कोई न हो / बेसहारा, **अवश्य**—ज़रूर।

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

1. **प्रश्नों के उत्तर बताओ—**

क. बादशाह पहले क्या था?

ख. सिपाही को किसका शौक था?

ग. सिपाही को किस पर दया आई थी?

लिखित

2. **प्रश्नों के उत्तर लिखो—**

क. शिकार हाथ न लगने पर सिपाही ने क्या किया?

ख. सिपाही ने हिरण के बच्चे को क्यों छोड़ दिया?

ग. देवदूत ने सपने में क्या कहा?

घ. यह कहानी आपको क्या सीख देती है?

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ—**

क. बादशाह कहाँ राज्य करता था?

i. अरब देश में ☑ ii. भारत में ☐

iii. चीन में ☐ iv. पाकिस्तान में ☐

ख. समय मिलते ही वह कहाँ निकल जाता था?

i. शिकार करने ☑ ii. तैरने ☐

iii. खेलने ☐ iv. सोने ☐

ग. सिपाही ने सपने में किसे देखा ?

i. मंत्री को ☐ ii. देवदूत को ☑

iii. परी को ☐ iv. किसान को ☐

4. पाठ के आधार पर वाक्यों का सही क्रम 1, 2, 3.... लिखो—

क. वह उन्नति करता हुआ सिपाही से बादशाह बन गया। 6

ख. सिपाही को शिकार का शौक था। 1

ग. सिपाही हिरणी के बच्चे के गले में रस्सी बाँधकर घोड़े पर चल पड़ा। 3

घ. जब समय मिलता, वह शिकार के लिए निकल जाता। 2

ङ. बच्चे को पाकर हिरणी प्रसन्न हो गई। 5

च. ममता के कारण हिरणी घोड़े के पीछे-पीछे चलने लगी। 4

इन पर विचार करो

- सोचो और बताओ कि यदि हम जानवरों का शिकार करते रहेंगे तो क्या होगा ?

प्रशंसा-योग्य

- प्रत्येक पशु-पक्षी को उसी प्रकार इस धरती पर रहने का अधिकार है जिस प्रकार मनुष्य को है।

जानी-अनजानी बातें

- ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका महाद्वीप को छोड़कर हिरण सभी महाद्वीपों में पाए जाते हैं। हिरण के शरीर में मौसम के अनुरूप परिवर्तन होते रहते हैं।
- हिरण के पैर लंबे और शक्तिशाली होते हैं। ये 10 फीट तक छलाँग लगा सकते हैं। इनके सुनने और सूँघने की शक्ति बहुत तीव्र होती है।

भाषा से

श्रुतलेख

हिरणी, निराश, राज्य, प्यार, प्रसन्न, देवदूत, असहाय, अवश्य

1. 'ड' तथा 'ड़' से बनने वाले दो-दो शब्द लिखो-

ड	–	डाल	डफली	डब्बे
ड़	–	झाड़ी	लड़का	पेड़

2. दो समान व्यंजनों को एक साथ लिखने से जो नया व्यंजन बनता है, उसे **द्‌वित्व व्यंजन** कहते हैं। इसमें पहला व्यंजन स्वर रहित होता है। जैसे-

क्क	–	पक्का	चक्की
द्‌द	–	गद्‌दा	रद्‌दी

इसी प्रकार के कुछ अन्य द्‌वित्व व्यंजन नीचे दिए गए हैं। इनसे बनने वाले दो-दो शब्द लिखो-

स्स	–	रस्सी	लस्सी
न्न	–	गन्ना	अन्न
च्च	–	कच्चा	सच्चा

3. **वचन बदलो-**

क. घोड़ा – घोड़े

ख. बच्चा – बच्चे

ग. झाड़ी – झाड़ियाँ

घ. कमीज़ – कमीज़ें

4. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान और भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। जैसे- अमर, विद्‌यालय, माँ, पक्षी, पहाड़, दिल्ली, वीरता, मित्रता आदि।

नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा शब्दों को छाँटकर अलग करो–

बच्चा सिपाही हिरण असहाय घोड़ा पशु
प्रसन्न बादशाह तुम चलना

बच्चा सिपाही हिरण घोड़ा
पशु बादशाह

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. धरती, जल और आकाश में रहने वाले पशु-पक्षियों की सूची बनाओ।
2. चिड़ियाघर के पिंजरे में बंद जानवरों को देखकर आपको कैसा लगता है सहपाठियों को अपने विचार बताओ।
3. जंगल का चित्र बनाकर उसमें अपनी कल्पना से रंग भरो और जानवरों क शिकार रोकने के लिए स्लोगन भी लिखो।
   जैसे–जीव-जंतु बचाएँ, मानव-धर्म निभाएँ।

हमने क्या सीखा

1. मूक पशु-पक्षियों पर हमें दया करनी चाहिए। ☐
2. प्रकृति की छोटी-से-छोटी वस्तु का सम्मान करना एवं उसकी रक्षा करना। ☐
3. हम जैसा व्यवहार प्रकृति और जीव-जंतुओं के साथ करते हैं, वैसा ही व्यवहार वे हमारे साथ करते हैं। ☐